

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/33-87/11353.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० राधिका रब्बड़ प्रोडक्ट्स, प्रा० लि०, प्लॉट नं० 33, सैक्टर 6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री रंग लाल, पुत्र श्री सिंग राम, मार्फत भीम सिंह यादव, इन्टक यूनिन आफिस, 1-सी, 46-ए, एन.आई.टी., फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है।

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री रंग लाल की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं कार्य से गैर-हाजिर हो कर नौकरी से पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) खोया है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है?

सं०.ओ.वि./एफ०डी०/134-85/11360.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० फरीदाबाद पावर लूम ओनर्स एसोसिएशन लि०, प्लॉट नं० 10-11, सैक्टर 24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री कमला देवी तथा 17 अन्य श्रमिक (अनुबन्ध 'ए') मार्फत श्री एम० के० भण्डारी, मकान नं० 360, सैक्टर 19, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री अनुबन्ध "ए" में उल्लेखित श्रमिक/श्रमिकों की सेवा समाप्त की गई है। या उन्होंने स्वयं त्याग पत्र देकर नौकरी छोड़ी है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वे किस राहत का हकदार है?

#### अनुबन्ध 'ए'

- |                  |                 |
|------------------|-----------------|
| 1. कमला देवी     | 10. रेशमा       |
| 2. राम रबी बाई   | 11. विनोद कुमार |
| 3. राधिका देवी   | 12. करतार कौर   |
| 4. सुशीला        | 13. वीरा बाई    |
| 5. सन्तो         | 14. परी बाई     |
| 6. सोन लता       | 15. संतरा       |
| 7. चन्द्र कान्ता | 16. भीम सैन     |
| 8. पार्वती देवी  | 17. राम कली     |
| 9. काकी बाई      | 18. चन्द्र कला  |

दिनांक 17 मार्च, 1987

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/74-87/11415.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इन्डस्ट्रीयल पेट्रोज 16/2, माईल स्टोन मयुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री शफी मुहम्मद, पुत्र श्री अल्हादिया माम मोच्छी, सोहना रोड, सैक्टर 25, फरीदाबाद मार्फत सिटू कार्यालय, 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3 श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री शफी मुहम्मद की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/हिसार/25-87/11422.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० नन्द सिनेमा, हिसार, के श्रमिक श्री उमैद सिंह, पुत्र श्री सुलतान सिंह मार्फत चाचे का ढाबा, डाबड़ा चौक, हिसार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम, 78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है :—

क्या श्री उमैद सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/हिसार/34-87/11435.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इलाईट सिनेमा हिसार, के श्रमिक श्री टेक चन्द, पुत्र श्री नाहर सिंह, मोहल्ला धानकान निकट कबीर चौक, मकान नं० 388/18, हिसार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है :—

क्या श्री टेक चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?